

GUDIAXINXUEMINGZHU

中国古典文学名著

笑林广记



D

远方出版社

1105848

中国古典文学名著

笑林广记



主 编:王玉芬



淮阴师院图书馆 1105848



远方出版社

8486011

中图古文典文学名著



笑

英王王：主

主 编:王玉芬

责 编:胡丽娟

出版发行:远方出版社

地 址:呼市乌兰察布东路 666 号

印 刷:北京市施园印刷厂

开 本:850×1168 1/32

字 数:3800 千字

印 张:126

标准书号:ISBN 7-80595-682-0/I·267

印 次:2006 年 8 月第 2 版第 1 次印刷

印 数:3000 册

定 价:604.80 元(全 36 册)

前　　言

中国古代文典经籍，上起殷周之际，下迄清季近代，其渊源之流长，数量之浩繁，意蕴之深远，文思之博奥，即使在世界文明的长河中，也堪称璀璨夺目、无与伦比，成为中华民族最为绮丽辉煌的精蕴所在。而在这浩瀚无涯的文洋典海之中，那些彪炳史册，传之千载，却终未湮没于滚滚东逝之水的瑰文琼典、名著名篇，更是博大精深，流光远播。

然而，面对浩如烟海的文典经籍和悠长久远的传统文化，如何探幽寻径，进而登堂入室，受惠得益，却终究成为一个难以解答的问题。人生有涯而知无涯，如若疏于识辨，不加慎择，势必如同河海空泛叶舟，甚至难取皮毛。若非择其精要者而观瞻体味，便很难有“一日看尽长安花”的畅意淋漓。

为了使广大读者能够一览中国古典名著的神韵，本书从浩如烟海的古代典籍中选出部分经典之作，这些作品代表了不同时代各个领域的最高水平。如《诗经》是中国文学史上最早的一部诗歌总集，可以“兴”、可以“观”、可以“群”、可以“怨”，开中国现实主义文学之先河，质朴平实，生动鲜活，文辞优美，蔚为壮观；《天工开物》系统地总结了我国历史中重大的科技成就，是我国科技史上有关农业和手工业的百科全书式的重要文献；《梦溪笔谈》是我国北宋大科学家沈括的传世著作，遍及天文、数学、物理、化学、地学、生

物以及冶金、机械、营造、造纸技术等各个方面，内容十分广泛、丰富，是中国科学史的重要著作。《梦溪笔谈》中所记述的许多科学成就均达到了当时世界的最高水平。英国著名科学史专家李约瑟称《梦溪笔谈》是“中国科学史上的坐标”；《孙子兵法》是中国古代最伟大的军事理论著作，也是中国古籍在世界影响最大、最为广泛的著作之一，它缜密的军事、哲学思想体系，深远的哲理、变化无穷的战略战术，常读常新的探讨韵味，在世界军事思想领域也拥有广泛的影响，享有极高的声誉……。总之，这些作品都是经过大浪淘沙，在历史长河中流传下来的不朽杰作。勾画出中国古典名著大致轮廓，令读者尽睹古典名著之神韵。

在整理和编撰过程中，编委们无不倾心尽力，披沙拣金、精心采撷，然古籍浩瀚如海，难免会有所遗漏，有失偏颇。如有不足或错漏之处，望广大读者不吝指正。

编 者

2006年8月



目 录

| | | |
|------|-------|-----|
| (e) | | |
| (e) | | |
| (e) | | |
| (01) | 序 | (1) |
| (01) | 升 官 | (3) |
| (01) | 比 职 | (3) |
| (13) | 发利市 | (3) |
| (11) | 贪 官 | (4) |
| (11) | 有 理 | (4) |
| (11) | 取 金 | (4) |
| (12) | 湖 涂 | (4) |
| (12) | 不 明 | (5) |
| (12) | 启 奏 | (5) |
| (12) | 偷 牛 | (5) |
| (12) | 避 暑 | (5) |
| (81) | 石 碑 | (6) |
| (81) | 强 盗 脚 | (6) |
| (11) | 属 牛 | (6) |
| (11) | 同 僚 | (6) |
| (11) | 家 属 | (7) |
| (12) | 州 同 | (7) |
| (12) | 衙官隐语 | (7) |
| (12) | 详 梦 | (7) |
| (12) | 太监观风 | (8) |
| (10) | 常 礼 | (8) |
| (10) | 念劾本 | (8) |
| (10) | 武弁夜巡 | (8) |
| (10) | 垛子助阵 | (8) |
| (10) | 进士第 | (9) |



中国古典文学名著

| | |
|------|------|
| 及 第 | (9) |
| 嘲武举诗 | (9) |
| 封 君 | (9) |
| 老 父 | (10) |
| 公了封君 | (10) |
| 送父上学 | (10) |
| 纳粟诗 | (10) |
| 考 监 | (10) |
| 坐 监 | (11) |
| 不往京 | (11) |
| 咬飞边 | (11) |
| 入 场 | (11) |
| 书 低 | (12) |
| 监生娘娘 | (12) |
| 监生自大 | (12) |
| 打 丁 | (12) |
| 王监生 | (13) |
| 自不识 | (13) |
| 监生拜父 | (13) |
| 半字不值 | (14) |
| 借药撵 | (14) |
| 斋戒库 | (14) |
| 附 例 | (15) |
| 酸 臭 | (15) |
| 仿制字 | (15) |
| 春生帖 | (15) |
| 借 牛 | (16) |
| 哭 麟 | (16) |
| 江心赋 | (16) |
| 吃乳饼 | (16) |
| 不愿富 | (16) |

目 录



| | |
|----------|------|
| (2) 薑字塔 | (17) |
| (2) 医银入肚 | (17) |
| (2) 田主见鸡 | (17) |
| (2) 讲解 | (17) |
| (2) 训子 | (18) |
| (2) 辞朝 | (19) |
| (2) 上任 | (19) |
| (2) 争脏 | (19) |
| (2) 厥打 | (19) |
| (2) 钻刺 | (19) |
| (2) 证孔子 | (20) |
| (2) 放肆 | (20) |
| (2) 费礼 | (20) |
| (2) 不养子 | (20) |
| (2) 借粮 | (21) |
| (2) 粮 | (21) |
| (2) 脱科 | (21) |
| (2) 黄门 | (21) |
| (2) 野味 | (22) |
| (2) 僧士诘辩 | (22) |
| (2) 杨相公 | (22) |
| (2) 头场 | (22) |
| (2) 后场 | (23) |
| (2) 识气 | (23) |
| (2) 蛀帽 | (23) |
| (2) 无一物 | (23) |
| (2) 带巾人 | (24) |
| (2) 穷秀才 | (24) |
| (2) 颂屁 | (24) |
| (2) 出学门 | (24) |
| (2) 抄祭文 | (25) |



中国古典文学名著

| | |
|-----------|------|
| (71) 行 房 | (25) |
| (71) 做不出 | (25) |
| (71) 凑不起 | (25) |
| (71) 四等亲家 | (26) |
| (81) 七等割履 | (26) |
| (81) 腹内全无 | (26) |
| (81) 不完卷 | (26) |
| (81) 求 签 | (27) |
| (81) 梦入泮 | (27) |
| (81) 谒孔庙 | (27) |
| (81) 狗头师 | (27) |
| (81) 狗坐馆 | (28) |
| (81) 讲 书 | (28) |
| (81) 师赞徒 | (28) |
| (19) 请先生 | (29) |
| (19) 骂先生 | (29) |
| (19) 没坐性 | (29) |
| (19) 兄弟延师 | (29) |
| (19) 读破句 | (30) |
| (19) 退束修 | (30) |
| (19) 赤壁赋 | (31) |
| (19) 於戏左读 | (31) |
| (19) 中 酒 | (31) |
| (19) 教 法 | (32) |
| (19) 浇其妻妾 | (32) |
| (19) 先生意气 | (32) |
| (19) 梦周公 | (33) |
| (19) 猫逐鼠 | (33) |
| (19) 问 馆 | (33) |
| (19) 闲 荡 | (33) |
| (19) 改 对 | (34) |

目 录



| | |
|-----------|------|
| 挺 徒 | (34) |
| 蜈 蚣 咬 | (34) |
| 我 不 知 | (34) |
| 掘 荷 花 | (35) |
| 瀆 粪 | (35) |
| 咬 饼 | (35) |
| 想 船 家 | (35) |
| 叔 叔 | (36) |
| 是 我 | (36) |
| 问 藕 | (36) |
| 卵 脖 皮 | (37) |
| 屎 在 口 头 | (37) |
| 村 牛 | (37) |
| 瘟 牛 | (37) |
| 善 对 | (38) |
| 个 人 个 妻 | (38) |
| 歪 诗 | (38) |
| 歇 后 诗 | (38) |
| 咏 钟 诗 | (39) |
| 老 童 生 | (39) |
| 认 拐 杖 | (39) |
| 拔 须 | (40) |
| 未 冠 | (40) |
| 医 官 | (41) |
| 冥 王 访 名 医 | (41) |
| 抬 枢 | (41) |
| 医 人 | (41) |
| 好 郎 中 | (42) |
| 谢 郎 中 | (42) |
| 哭 郎 中 | (42) |
| 屢 子 郎 中 | (42) |



中国古典文学名著

| | |
|------------|------|
| (48) 迷妇药 | (43) |
| (48) 跳蚤药 | (43) |
| (48) 医乳 | (43) |
| (48) 医屁 | (43) |
| (48) 医按院 | (43) |
| (48) 愿脚踢 | (44) |
| (48) 锯箭竿 | (44) |
| (48) 怨算命 | (44) |
| (48) 包殡殓 | (44) |
| (48) 尿打弹 | (44) |
| (48) 送药 | (45) |
| (48) 补药 | (45) |
| (48) 药户 | (45) |
| (48) 尿样 | (45) |
| (48) 取名 | (46) |
| (48) 索谢 | (46) |
| (48) 包活 | (46) |
| (48) 退热 | (46) |
| (48) 疆蚕 | (47) |
| (48) 看脉 | (47) |
| (48) 医女接客 | (47) |
| (48) 大方打幼科 | (48) |
| (48) 幼科 | (48) |
| (48) 小儿窠 | (48) |
| (48) 小犬窠 | (48) |
| (48) 骂 | (49) |
| (48) 赔 | (49) |
| (48) 吃白药 | (49) |
| (48) 游水 | (49) |
| (48) 地师 | (49) |
| (48) 风水 | (50) |

目 录



| | |
|------|------|
| 阴阳先生 | (50) |
| 阴阳生 | (50) |
| 法 家 | (51) |
| 相 相 | (51) |
| 卜 孕 | (51) |
| 不 着 | (51) |
| 写 真 | (52) |
| 胡须像 | (52) |
| 讳输棋 | (52) |
| 好 棋 | (52) |
| 银匠偷 | (53) |
| 利心重 | (53) |
| 有进益 | (53) |
| 裁 缝 | (53) |
| 不下剪 | (54) |
| 要 尺 | (54) |
| 木 匠 | (54) |
| 含 毛 | (54) |
| 待 詔 | (55) |
| 篦 头 | (55) |
| 头 嫩 | (55) |
| 取 耳 | (55) |
| 同 行 | (55) |
| 偷 肉 | (56) |
| 船 家 | (56) |
| 稍 公 | (56) |
| 水 手 | (56) |
| 卖淡酒 | (57) |
| 三名斩 | (57) |
| 酒 娘 | (57) |
| 走 作 | (57) |



中国古典文学名著

| | | |
|------|---------|------|
| (20) | 着 醋 | (58) |
| (20) | 酸 酒 | (58) |
| (21) | 炙 坛 | (58) |
| (21) | 嘲 胡 卖 契 | (59) |
| (21) | 呵 冻 笔 | (59) |
| (21) | 揪 肾 毛 | (59) |
| (22) | 观 相 | (59) |
| (22) | 愁 穷 | (60) |
| (22) | 胡 瘥 杀 | (60) |
| (22) | 直 缝 横 缝 | (60) |
| (22) | 被 剃 | (60) |
| (22) | 抛 猫 | (61) |
| (22) | 胡子 改 尿 | (61) |
| (22) | 不 斟 酒 | (61) |
| (22) | 吃 白 面 | (61) |
| (22) | 通 谱 | (62) |
| (22) | 联 宗 | (62) |
| (22) | 一 般 胡 | (62) |
| (22) | 稀 胡 子 | (63) |
| (22) | 出 须 药 | (63) |
| (22) | 问 有 猫 | (63) |
| (22) | 骂 须 少 | (63) |
| (22) | 胡 答 嘲 | (64) |
| (22) | 光 屁 股 | (64) |
| (22) | 亲 爷 | (64) |
| (22) | 无 须 狗 | (65) |
| (22) | 没 须 屁 股 | (65) |
| (22) | 拔 须 去 黑 | (65) |
| (22) | 白 须 | (65) |
| (22) | 黄 须 | (66) |
| (22) | 老 面 皮 | (66) |

目 录



| | |
|------|------|
| 胖子行房 | (66) |
| 皂隶干法 | (66) |
| 截 长 | (67) |
| 长卵叹气 | (67) |
| 矮子看灯 | (67) |
| 亲 嘴 | (68) |
| 扇 坠 | (68) |
| 搁 浅 | (68) |
| 瞎叙盟 | (68) |
| 瞽 笑 | (69) |
| 被 打 | (69) |
| 吃螺蛳 | (69) |
| 响不远 | (69) |
| 独 眼 | (70) |
| 兄弟认匾 | (70) |
| 金漆盒 | (70) |
| 问 路 | (70) |
| 喫 面 | (71) |
| 乌云接日 | (71) |
| 鼻影作枣 | (71) |
| 虾 酱 | (71) |
| 疑 蛋 | (72) |
| 拾蚂蚁 | (72) |
| 检银包 | (72) |
| 近趣眼 | (72) |
| 白果眼 | (72) |
| 漂白眼 | (73) |
| 聋 耳 | (73) |
| 呵 欠 | (73) |
| 火 症 | (74) |
| 讳聋哑 | (74) |



中国古典文学名著

| | |
|------|------|
| 麻 尻 | (74) |
| 屁股麻 | (74) |
| 麻卵袋 | (75) |
| 麻子咬卵 | (75) |
| 赤 鼻 | (75) |
| 鼈鼻狗 | (75) |
| 鼈鼻请酒 | (76) |
| 臭 嘴 | (76) |
| 鼻耐性 | (76) |
| 蒜治口臭 | (76) |
| 臭瘌痢 | (77) |
| 残疾婿 | (77) |
| 歪 尻 | (77) |
| 鸽 舌 | (78) |
| 过桥睫 | (78) |
| 大 耳 | (78) |
| 歪 头 | (78) |
| 争 坐 | (79) |
| 直 背 | (79) |
| 疣 叔 | (79) |
| 善 屁 | (79) |
| 祖师殿 | (80) |
| 认 屁 | (80) |
| 屁 婦 | (80) |
| 鳌 头 | (80) |
| 路上屁 | (81) |
| 贼 屁 | (81) |
| 吃 屁 | (81) |
| 棹面响 | (81) |
| 田鸡叫 | (82) |
| 不 噜 | (82) |

目 录



| | |
|----------|------|
| (08) 怕 冷 | (82) |
| (09) 大 乳 | (82) |
| (10) 抓 背 | (82) |
| (11) 善生虱 | (83) |
| (12) 赞阳物 | (83) |
| (13) 家 当 | (83) |
| (14) 肚 肠 | (83) |
| (15) 巨 卵 | (84) |
| (16) 小 卵 | (84) |
| (17) 贵 相 | (84) |
| (18) 当 卵 | (84) |
| (19) 倭 刺 | (85) |
| (20) 快 刀 | (85) |
| (21) 瘦东西 | (85) |
| (22) 硬中证 | (85) |
| (23) 善 忘 | (86) |
| (24) 恍 恍 | (86) |
| (25) 作 揖 | (86) |
| (26) 燕 衣 | (87) |
| (27) 卖 弄 | (87) |
| (28) 品 茶 | (87) |
| 出 像 | (87) |
| 刚 执 | (88) |
| 应 急 | (88) |
| 掇 桶 | (88) |
| 正夫纲 | (88) |
| 请下操 | (89) |
| 虎 势 | (89) |
| 访 类 | (89) |
| 吐绿痰 | (89) |
| 理旧恨 | (90) |



中国古典文学名著

| | | |
|------|------|------|
| (88) | 敕 书 | (90) |
| (88) | 吃梦中醋 | (90) |
| (88) | 葡萄架倒 | (91) |
| (88) | 捶碎夜壶 | (91) |
| (88) | 手 硬 | (91) |
| (88) | 呆 郎 | (91) |
| (88) | 痴 婢 | (92) |
| (88) | 呆 子 | (92) |
| (88) | 赞 马 | (92) |
| (88) | 搠穿肚 | (93) |
| (88) | 携冻水 | (93) |
| (88) | 不道是你 | (93) |
| (88) | 莫说是我 | (93) |
| (88) | 只说是我 | (93) |
| (88) | 丈母不该 | (94) |
| (88) | 痴人生女 | (94) |
| (88) | 糊涂花面 | (94) |
| (88) | 事发觉 | (94) |
| (88) | 父各爨 | (95) |
| (88) | 烧令尊 | (95) |
| (88) | 子守店 | (95) |